इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)
(संसद के अधिनियम के अधीन स्थापित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय)
(A National University established by an Act of Parliament)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

Ref. NO. IGNTU/2020/VC/

Date: 05/04/2020

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों और सहकर्मियों,

मैं आप सभी आत्मीय जनों को एक चुनौती भरे समय में संबोधित कर रहा हूँ, वह कठिन समय जब विश्व-मानवता कोविड-19 नामक महामारी से ग्रस्त और त्रस्त है। हम आज एक अदृश्य शत्रु का सामना करने को दृढ़-संकल्प खड़े हैं। यह विचलित होने का समय नहीं है। निराशा को तो हमें अपने पास भी फटकने नहीं देना है।

भारतीय मन संकटों से संघर्ष करना जानता है। हमारी मनीषा की यह दृढ़ मान्यता रही है कि कठिन समय हमारी परीक्षा लेता है। इस परीक्षा पर मनुष्य अपने आत्मबल के सहारे बार-बार विजय प्राप्त करता रहा है। मनुष्य की आत्मा अजेय होती है। इसी आत्मशक्ति की पतवार को आज हमें थामे रखना है और इस क्रूर शत्रु कोविड-19 को परास्त करना है। ऐसे समय में अपनी आत्मा को दीप्त करने की बात भी भारत के तत्ववेत्ताओं ने कही है – आत्म दीपो भव। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हमें इसी आत्मदीप को प्रज्ज्वलित करने का संदेश दिया है। इससे नकारात्मक भावों से मुक्ति मिलेगी तथा हम अपने आस-पास सकारात्मक भावों के संचार का माध्यम बन सकेंगे।

त्रासदी की विद्यमान अवधि में हम अपने दैनंदिन क्रियाकलापों का संचालन तथा दायित्वों का निर्वहन घर से ही कर रहे हैं। सैर-सपाटों और मनोरंजन के बाह्य अवसरों से हम विरत हैं। विश्वविद्यालय में आमने-सामने बैठकर अध्ययन-अध्यापन भी नहीं हो पा रहा है। मुझे आपसे यह कहना है कि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक 'ऑनलाइन माध्यमों' से विद्यार्थियों को शिक्षण-प्रक्रिया से जोड़े हुए हैं। छात्रों को आवश्यक नोट्स प्रदान किए जा रहे हैं। उच्च स्तर की मुद्रित पाठ्य-सामग्री प्राप्त करने के 'लिंक' बताए जा रहे हैं। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी इस प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखने और बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हमारे छात्र और अध्यापक दोनों ऑनलाइन अध्ययन-अध्यापन प्रणाली का उपयोग करने में सक्षम हैं।

यह विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के प्रति सदा संवेदनशील रहा है। अपने प्रिय छात्र-छात्राओं से मेरा यह आग्रह है कि आप जहाँ कहीं भी हों, अपने गुरुजनों के निरंतर संपर्क में रहें। ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से निरंतर जुड़े रहें। अपने शोध-निर्देशकों से सुझाव लेकर शोध-कार्य जारी रखें। पुस्तकालय की ऑनलाइन सेवा का लाभ उठाएँ और सबसे बड़ी बात कि सरकार के निर्देशों का पालन करें, स्वच्छ और स्वस्थ रहें। स्थिति सामान्य होने पर परीक्षा आयोजन की तिथि पर विचार होगा अन्यथा 'ऑनलाइन परीक्षा' संपन्न कराने पर विचार किया जाएगा। जो छात्र SWAYAM में पंजीकृत हैं उन्हें क्रेडिट ट्रांसफर का लाभ प्राप्त होगा।

जो अध्यापक और कर्मचारी विश्वविद्यालय परिसर में रह रहे हैं, उनकी समस्याओं को मैं समझता हूँ। विश्वविद्यालय सुदूर वन-क्षेत्र में स्थित है। अत: कठिनाइयाँ और बढ़ जाती हैं। फिर भी विश्वविद्यालय की ओर से जो कुछ किया जा सकता है, किया जा रहा है। विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केंद्र काम कर रहा है। आपके आग्रह पर डॉक्टर आपके आवास पर पहुँच जाएंगे। मेरा यह अनुरोध है कि परिसर में रहने वाले लोग एक-दूसरे का सहयोग करें। कोई कठिनाई हो तो कार्य दल के सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों, परामर्श समिति या मुझसे ऑनलाइन संपर्क कर सकते हैं। आपस में भी आप निरंतर एक-दूसरे का हाल-चाल लेते रहें। खुश रहें और दूसरों को भी खुश रखें।

Amarkantak, District – Anuppur, MADHYA Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website : www.igntu.ac.in

Scanned by CamScanner

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)
(संसद के अधिनियम के अधीन स्थापित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय)
(A National University established by an Act of Parliament)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

Ref. NO. IGNTU/2020/VC/

Date: 05/04/2020

इस समय पूरा विश्व कोविड-19 के प्रकोप से लड़ रहा है। एक बात तय है कि इस अदृश्य शत्रु के नाश का उपाय हमारे ही हाथों में है। एक व्यक्ति के रूप में हम सामाजिक एवं भौतिक दूरी बनाए रखें, स्वच्छ रहें, बाहर न निकलें, दुष्प्रचारों पर कान न दें और जरूरतमंदों की सहायता करें। ये छोटी-छोटी बातें कोविड-19 के राक्षस का संहार कर देंगी। चिंता बिल्कुल मत कीजिए। स्वाध्याय कीजिए। फिर 'सोशल मीडिया' पर उसका प्रसार कीजिए। लेख लिखिए। कोई इच्छित पुस्तक पूरी कर डालिए। अपने परिचित आदिवासी बंधुओं से मोबाइल पर उनका कुशलक्षेम लीजिए। हमें यह अवसर मिला है चिंतन का, स्व-चिंतन का, कुल-चिंतन का, समाज चिंतन का, राष्ट्र चिंतन का और विश्व-चिंतन का। ऐसे अवसर सहज नहीं मिलते कि हम आत्मावलोकन भी कर पाएं, अपने इष्ट-मित्रों के बारे में भी सोच सकें और दुनिया की दशा पर भी विचार कर पाएं। हाँ, सकारात्मक सोच को अनवरत बनाए रखें – अच्छी सोच हमें अच्छा इंसान बनाती है, और हमारा अच्छा करती है। मैं इस बीच 'कालिदास ग्रंथावली' एवं पौराणिक आख्यानो को पढ़ रहा हूँ। कुछ छूटा हुआ लिख भी रहा हूँ।

आप सबसे मेरा यह अनुरोध है कि सतत् संवेदनशील बने रहें। जिन्हें इस महामारी ने अपने पाश में बाँध लिया है, उनके बारे में सोचें। समझे उस पीड़ा को जिसके दंश से आज विश्व के संपन्नतम देश तड़प रहे हैं। विश्व के अनेक देशों में हमारे सगे-सम्बन्धी हैं, मित्र हैं, वहाँ के विश्वविद्यालयों के अध्यापक हैं – इनसे बहुधा हमें बात करनी चाहिए, उनके अनुभवों को साझा करना चाहिए, उन्हें भारत का हाल देना चाहिए।

हम यह भी विचार करें कि महामारी के इस संकट ने पूरे विश्व को अनुभव के समान धरातल पर खड़ा कर दिया है। हिंसक होती जा रही दुनिया को इसने 'मानवता' और 'शांति' की दोर से बाँध दिया है। इनके बीच दर्द का रिश्ता बना दिया है जो और किसी भी रिश्ते से कहीं मज़बूत होता है। वैश्विक स्तर पर सहानुभूति, सहायता और सहिष्णुता के विस्तार के साथ ही करुणा, एकजुटता और मानुस-शक्ति के भान को भी उत्कर्ष मिला है। इस महामारी पर विजय प्राप्त करने के बाद एक नया विश्व हमारे समक्ष खड़ा होगा – करुणामयम, सहिष्णु और प्रेममय।

इसी आशा और विश्वास के साथ राष्ट्रहित और विश्व-हित में संकल्प के साथ खड़ा होने का यह समय है। यह कालखंड मनुष्य की जिजिविषा एवं अखंड शक्ति का इतिहास बनेगा। अत: अशांत न हों। निराश तो तनिक भी न हों। यह हमारे धीरज और मनुष्य धर्म की परख की घड़ी है – ये दोनों संकट-काल में ही कसौटी पर कसे जाते हैं। अपने धीरज और धर्म की शक्ति के साथ ही हम सब आगे बढ़ेंगे और कोविड-19 का सामना करने में अपना सहयोग देंगे ताकि अपने तुच्छ स्वार्थों का त्याग करके हम पूरी मानवता की सेवा कर सकें। आइए, हम सब मिलकर माननीय प्रधानमंत्री जी के 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' वाले आह्वान को सार्थक कर दें।

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी

Amarkantak, District – Anuppur, MADHYA Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website : www.igntu.ac.in

Scanned by CamScanner